ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-७७
दिनांक- शुक्रवार, १४ अक्टूबर, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.1 एवं 22.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 71 प्रतिशत, हवा की औसत गति 1.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.8 एवं दोपहर में 33.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 7.6 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(15–19 अक्टूबर, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 15–19 अक्टूबर, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। इस अवधि में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31 से 33 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 6–10 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 55 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- शुष्क मौसम की संभावना को देखते हुए किसान भाई अगात धान एवं मक्का की तैयार फसलों की कटाई एवं झराई करें। रबी फसल के लिए खेत की तैयारी करें। फसलों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। खड़ी फसलों में कीट–व्याधि का निरीक्षण करते रहें। 15 अक्टूबर के बाद शरदकालीन गन्ना की रोपाई की जा सकती है।
- बालियॉ निकलने तथा दूध भरने की अवस्था वाली धान की फसल में गंधी बग कीट की निगरानी करें। फसल में कीट की संख्या अधिक पाये जाने पर, इसकी रोक–थाम के लिए फॉलीडाल 10 प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर 10–15 किलोग्राम की दर से भूरकाव बालियों पर करें।
- धनियॉ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्षन, हिसार आंनद धनियॉ की अनुसंषित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दूरी 30ग्20 से0मी0 रखें। बीज को 2.5 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें। खेत की जुताई में 100 से 150 सड़ी गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर एवं 30 किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।
- मसुर के मल्लिका(के0–75), अरुण (पी0एल0 77–12), बी0आर0–25 के0एल0एस0– 218, एच0यू0एल0–57, पी0एल0–5 एवं डब्लू0वी0एल0 77 किस्मो की बुआई 15 अक्टुबर के बाद कर सकते है। बुआई के समय खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 2–3 दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फूंदनाषक दवा का 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पष्चात कीटनाषी दवा क्लोरपाईरीफॉस 20 ई.सी. का 8 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें। छोटे दाने की प्रजाति के लिए बीज दर 30–35 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बड़े दाने के लिए 40–45 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर एवं बुआई की दूरी पंक्ति से पंक्ति 30 से0मी0 रखें।
- सूर्यमुखी की बुआई करे। बुआई के समय खेत की जुताई में 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 80–90 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करे। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमूखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी0ओ0–1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–1, के0बी0एस0एच0–44, एम0एस0एफ0एच0–1, एम0एस0एफ0एच0–8 एवं एम0एस0एफ0एच0–17 अनुसंषित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करे।
- सब्जियों की फसल जैसे बैगन, टमाटर, फुल गोभी एवं मिर्च में फल छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट से ग्रसित तना एवं फल की तुराई कर मिट्टी में गाड़ दें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करे।
- मिर्च, फुलगोभी, टमाटर एवं बैगन की फसल में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। फुलगोभी की फसल में पत्ती खाने वाली कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू फूलगोभी की मध्यवाली पत्तियों तथा सिरवाले भाग को अधिक क्षति पहुँचाती हैं। शुरुआती अवस्था में यह पिल्लू पत्तियों की निचली सतह में सुरंग बनाकर एवं उसके अन्दर पत्तियो को खाता है। इस कीट से वचाव हेतु स्पेनोसेड 48 इ0सी0 दवा एक मि0ली0 प्रति 4 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें। फूलगोभी की पिछात किस्मो जैसे माघी, स्नोकिंग, पूसा स्नोकिंग–1, पूसा–2, पूसा स्नोवॉल–16, पूसा स्नोवॉल के–1 की बुआई नर्सरी में करें।
- तोरीया की आर0ए0यु0टी0एस0–17,पंचाली, पी0टी0–303 एवं भवानी प्रभेद की बुआई संपन्न करें। सरसों एवं राई की बुआई करें। सरसों के लिए उन्नत प्रभेद 66–197–3, राजेन्द्र सरसों–1 तथा स्वर्णा एवं राई के लिए किस्में वरुणा, पूसा वोल्ड, क्रान्ति एवं पूसा महक इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित हैं। बीज दर 5 किलोंग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बुआई 30ग10 से0मी0 पर कतार में करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 30–40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फुर, 40 किलोग्राम पोटास एवं 30 से 40 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करे।

आज का अधिकतम तापमानः 32.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 21.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.0 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी